प्रभु का कर ध्‍न्‍यवाद, हे मेरे मन

प्रभु का कर ध्‍न्‍यवाद -2

प्रभु के पावन नाम का कर ध्‍न्‍यवाद

उसके उपकारों के लिए कर ध्‍न्‍यवाद-2

1. तेरे पापों को प्रभु ने क्षमा की

रोग तेरे दूर किए और दी चंगाई

2. भलाईयों से तृप्‍त वह करता

तेरी जवानी में शक्‍ति वह देता।

3. अपनी संतानों पर करता है वह दया

भक्‍तों को अपने प्रेम वह करता

4. घास के समान है हमारा यह जीवन

मैदान के पफूल समान मुर्झा जाता

5. प्रभु के वचन का पालन जो करते

अपने दासों की रक्षा वह करता

6. अनंत राजा प्रभु है जिसकी

सारी सृष्‍टि नित दिन स्‍तुति करती